यू० पी० बैंक इम्प्लाईज यूनियन

पंजीकरण संख्या–538
ए.आई.बी.ई.ए. से संबद्ध
केन्द्रीय कार्यालय : 106/107 द्वितीय तल, ब्लाक संख्या 26/2/4, संजय प्लेस, आगरा–282002
पत्र व्यवहार : 3/17, विभव नगर, आगरा–282 001, मो0: 09837472750
फोन/फैक्सः (नि0) 0562–4044383, **E-mail: mmrai_2509@yahoo.co.in & mmrai2509@gmail.com**

परिपत्र संख्या : 2016–19/19/2018 **दिनांक :** 26.02.2018

सभी प्रान्तीय पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों
जिला इकाईओं के मंत्रियों/अध्यक्षों हेतु

प्रिय साथियों,

यूएफबीयू की बैठक

23 फरवरी, 2018 को यूएफबीयू की एक बैठक चैन्नई में आयोजित की गई जिसमें विभिन्न महत्वपूर्ण मसलों पर चर्चा की गई। इस सन्दर्भ में यूएफबीयू के परिपत्र को एआईबीईए के परिपत्र संख्या 28/42/2018/5 दिनांक 24.02.2018 के माध्यम से पुर्नप्रसारित किया गया है। हम उक्त परिपत्र का अनूदित सार अपनी इकाईओं तथा सदस्यों की सूचना एवं संज्ञान हेतु नीचे प्रस्तुत कर रहे हैं।

अभिवादन सहित,
आपका साथी,

(मदन मोहन राय)
महामंत्री

प्रिय साथियों,

- **यूएफबीयू की बैठक 23 फरवरी 2018 को चैन्नई में हुई**
- **यूएफबीयू ने अब हमारी हड़ताल के साथ आगे न बढ़ने का निर्णय लिया**
- **यूएफबीयू पीएनबी धोखाधड़ी में शामिल सभी लोगों पर कार्रवाई की माँग करते हुए 21 मार्च, 2018 को नई दिल्ली में संसद के सम्मुख धरना आयोजित करेगा**

यूएफबीयू परिपत्र : 06.02.2018 को मुम्बई में हुई यूएफबीयू की बैठक के उपरांत, यूएफबीयू की एक और बैठक 23.02.2018 को चैन्नई में हुई।

बैठक ने यूएफबीयू के पूर्व नेताओं साथी एस.आर. बाल (बैफी), साथी एस.आर. सेनगुप्ता (एआईबीओसी) तथा साथी पी लक्ष्मीनरसिंह (एनसीबीई) जिनका हाल में निधन हो गया, को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन धारण किया।

आईबीए के साथ वार्ता : बैठक ने नोट किया कि बैंकिंग क्षेत्र में अनिश्चिचता के वातावरण के कारण जो हाल की पीएनबी धोखाधड़ी के कारण बन गया है, आईबीए ने 21.02.2018 को निर्धारित अपनी बैठक टाल दी है और यह अपेक्षित है कि यह बैठक आगामी 2 या 3 हफ्तों में आयोजित होगी।

15 मार्च का हमारा हड़ताल का आह्वान : वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए जो पंजाब नैशनल बैंक के धोखाधड़ी मामले के बाद उत्पन्न हुई हैं और पूरे बैंकिंग उद्योग के विरूद्ध दूषित वातावरण बन गया है, यह उचित समझा गया और उसी के अनुसार निर्णय लिया गया कि **15 मार्च 2018 की हमारी प्रस्तावित हड़ताल के साथ आगे न बढ़ा जाये।**

जारी पृष्ठ 2

पीएनबी का घोटाला : बैठक उन तौर तरीकों के विषय में अत्यन्त गम्भीरतापूर्वक चिन्तित थी जिनमें की एक बड़ी धोखाधड़ी की घटना पंजाब नैशनल बैंक में हुई और इस प्रकार से बैंक ऐसे अविचारणीय खतरों के सामने खुल गये। यद्यपि, बैठक ने नोट किया कि पूरे स्तर पर होने वाली जांच के बावजूद, प्रयास किये जा रहे हैं कि कुछ निम्न स्तर के कर्मचारियों को अलग–थलग कर दिया जाये जबकि वह इस पूरे धोखाधड़ी के मामले के लिए अकेले दोषी नहीं ठहराये जा सकते।

कोई भी इस तथ्य को नहीं छुपा सकता कि एक भारी लापरवाही जो नियंत्रण, निरीक्षण और देखभाल में की गई साथ ही सम्भावनायें विभिन्न उच्च स्तर के प्रबन्धन जो कि बैंक के उच्च अधिकारियों सहित हैं इसमें शामिल हों। समान रूप से, कोई भी रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया को इसकी विफलता के लिए बरी नहीं कर सकता जो कि उन्होंने अपनी भूमिका और दायित्व के निर्वहन में विफलता द्वारा प्रदर्शित की अन्यथा इस प्रकार की अनियमिततायें पहले ही सामने आ गईं होती।

बैठक ने यह भी अनुभव किया कि ऐसे सभी प्रयास किए जाने चाहिए जिससे कि बैंकों में व्यापक रूप से लोगों का विश्वास और भरोसा स्थापित किया जा सके और बैंकों में उनका परिश्रम द्वारा अर्जित धन सुरक्षित रह सके।

यह तय किया गया कि जनता में अभियान कार्यक्रम लिया जाना चाहिए और निम्नलिखित मांगों और मुद्दों पर कार्यक्रम किये जाने चाहिए :

- **इस धोखाधड़ी में शामिल, जुड़े हुए और जिम्मेदार व्यक्तियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाये।**
- **छोटे स्तर के कर्मचारियेां को अलग–थलग न किया जाये**
- **जाँच में आरबीआई की भूमिका को छोड़ा न जाये**
- **व्यापक स्थानान्तरणों द्वारा कर्मचारियों और अधिकारियों का शोषण न किया जाये**
- **संयुक्त संसदीय समिति द्वारा मामले की व्यापक जाँच की जाये**
- **बैंकिंग प्रणाली में जनता का विश्वास कायम किया जाये**

यह निर्णय लिया गया है कि **सभी प्रदेश की राजधानियों में 5 से 10 मार्च 2018 के मध्य प्रैस वार्ता** आयोजित की जाये और अपने पक्ष और मांगों को समझाया जाये।

यह निर्णय भी लिया गया कि हमारे कार्यक्रम के अन्तर्गत संसद के सामने नई दिल्ली में 21.03.2018 को एक धरना आयोजित किया जाये जिससे कि हमारी मांगों को महत्व दिया जा सके।

यह निर्णय भी लिया गया कि इस मुद्दे को मुख्य सतर्कता आयोग के साथ उठाया जाये जिससे कि दिशानिर्देशों के दुरूपयोग और गलत व्याख्या जो कि कुछ बैंकों द्वारा की जा रही है और जो इस अवसर पर कर्मचारियों और अधिकारियों के अवांछित व्यापक स्थानान्तरण में लगे हुए हैं।

अभिवादन सहित,

आपका साथी
ह0..
सी.एच. वेंकटचलम्
महामंत्री